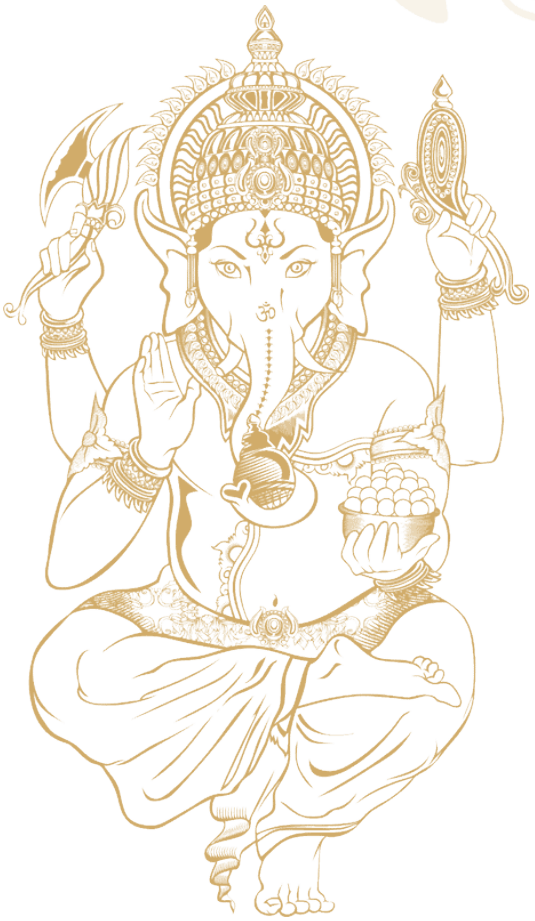

A

01 Apr 1999

06:00 PM

Jhanjharpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121910903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/04/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	30:57:33 घटी
स्थान	**Jhanjharpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:16:00 उत्तर
रेखांश	86:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:15:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:15:08 घंटे
वेलान्तर	-00:04:03 घंटे
साम्पातिक काल	06:52:51 घंटे
सूर्योदय	05:36:58 घंटे
सूर्यास्त	18:01:19 घंटे
दिनमान	12:24:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:29:30 मीन
लग्न के अंश	18:00:04 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	18:00:04	322:53:40	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			मीन	17:29:30	00:59:12	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	23:53:30	12:10:24	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मित्र राशि
मंगल	व		तुला	17:08:12	00:10:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	27:03:49	00:04:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु		अ	मीन	17:17:42	00:14:31	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	स्वराशि
शुक्र			मेष	23:06:05	01:11:30	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मेष	09:38:47	00:07:18	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	27:12:14	00:09:07	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	27:12:14	00:09:07	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	21:56:04	00:02:19	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	10:10:59	00:01:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:33:23	00:00:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	18:18:32	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:36

लग्न-चलित

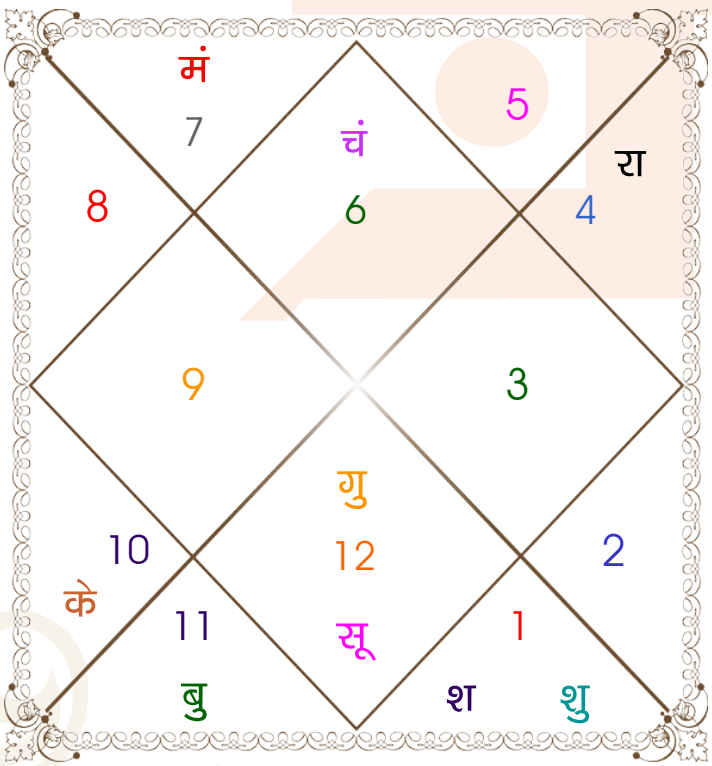

चन्द्र कुंडली

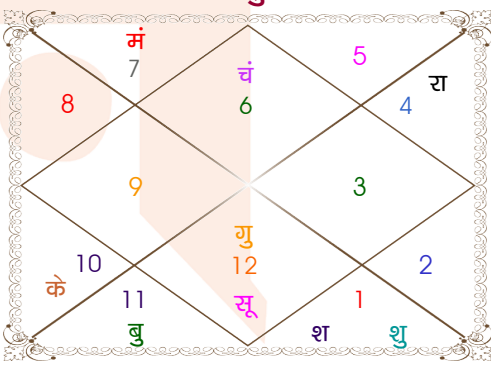

नवमांश कुंडली

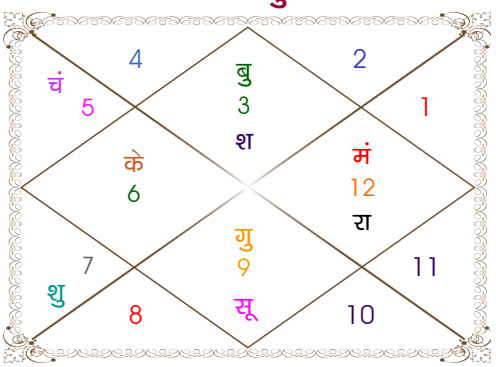

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 8 मास 14 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/04/1999		15/12/2005		15/12/2023		15/12/2039		15/12/2058	
15/12/2005		15/12/2023		15/12/2039		15/12/2058		15/12/2075	
मंगल	13/05/1999	राहु	27/08/2008	गुरु	02/02/2026	शनि	18/12/2042	बुध	13/05/2061
राहु	31/05/2000	गुरु	21/01/2011	शनि	15/08/2028	बुध	27/08/2045	केतु	10/05/2062
गुरु	07/05/2001	शनि	27/11/2013	बुध	21/11/2030	केतु	06/10/2046	शुक्र	10/03/2065
शनि	16/06/2002	बुध	15/06/2016	केतु	28/10/2031	शुक्र	06/12/2049	सूर्य	14/01/2066
बुध	13/06/2003	केतु	04/07/2017	शुक्र	28/06/2034	सूर्य	18/11/2050	चंद्र	16/06/2067
केतु	09/11/2003	शुक्र	03/07/2020	सूर्य	16/04/2035	चंद्र	18/06/2052	मंगल	12/06/2068
शुक्र	08/01/2005	सूर्य	28/05/2021	चंद्र	15/08/2036	मंगल	28/07/2053	राहु	30/12/2070
सूर्य	16/05/2005	चंद्र	27/11/2022	मंगल	22/07/2037	राहु	03/06/2056	गुरु	06/04/2073
चंद्र	15/12/2005	मंगल	15/12/2023	राहु	15/12/2039	गुरु	15/12/2058	शनि	15/12/2075

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/12/2075		15/12/2082		16/12/2102		16/12/2108		16/12/2118	
15/12/2082		16/12/2102		16/12/2108		16/12/2118		00/00/0000	
केतु	13/05/2076	शुक्र	16/04/2086	सूर्य	05/04/2103	चंद्र	16/10/2109	मंगल	02/04/2119
शुक्र	13/07/2077	सूर्य	16/04/2087	चंद्र	04/10/2103	मंगल	17/05/2110		00/00/0000
सूर्य	18/11/2077	चंद्र	15/12/2088	मंगल	09/02/2104	राहु	16/11/2111		00/00/0000
चंद्र	19/06/2078	मंगल	14/02/2090	राहु	03/01/2105	गुरु	17/03/2113		00/00/0000
मंगल	15/11/2078	राहु	14/02/2093	गुरु	22/10/2105	शनि	16/10/2114		00/00/0000
राहु	03/12/2079	गुरु	16/10/2095	शनि	04/10/2106	बुध	17/03/2116		00/00/0000
गुरु	08/11/2080	शनि	15/12/2098	बुध	11/08/2107	केतु	16/10/2116		00/00/0000
शनि	18/12/2081	बुध	16/10/2101	केतु	16/12/2107	शुक्र	17/06/2118		00/00/0000
बुध	15/12/2082	केतु	16/12/2102	शुक्र	16/12/2108	सूर्य	16/12/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 8 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।